दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2019–20 दिनांक 10.05.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

कोरोना संकटकाल में स्थानीय स्तर पर रोजगार हेतु प्रयास की प्रबल आवश्यकता है–प्रो. राजेन्द्र प्रसाद

गोरखपुर 10 मई 2020। ''कोरोना संकट उत्पन्न कर चीन वास्तव में अमेरिका को मात देना चाहता है परन्तु इससे वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सामने भी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गयी है। चीन द्वारा दक्षिण–पूर्व एशिया एवं दक्षिण मध्य एशिया में भू–सामरिक गतिविधियों में हो रहे निवेश से भारत के लिए भी गंभीर समस्या खड़ी हो गयी है। भारत के अपने अन्य पड़ोसी देशों को कोरोना संकट से निकालने के नाम पर चीन भारत को घेरने की कोशिशें कर रहा है।'' उक्त विचार दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित दिग्विजयनाथ जी महाराज के जयंती सप्ताह कार्यक्रम के चौथे दिन फेसबुक लाइव के माध्यम से 'कोविड–19 महामारी तथा भारत के समक्ष भू–सामरिक एवं भू–आर्थिक चुनौतियां और विकल्प' विषय पर अपना उदबोधन देते हुए प्रो. आर.पी. यादव, कुलपति, मगध विश्वविद्यालय, गया, बिहार ने व्यक्त किया।

उन्होन आगे कहा कि हमें इन चुनौतियों से प्रभावी ढ़ंग से निपटना होगा। एक तरफ जहॉ बाहरी चुनौतियां मिल रहीं हैं वही घरेलू समस्याओं से भी जूझना पड़ रहा है। हमें राष्ट्रीय सुरक्षा की भी सजगता पूर्वक व्यवस्था करनी होगी। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था की जो दुर्दशा हुई है वह पहले कभी नहीं हुई। 90 वर्षों के बाद इस तरह की मंदी आई है जिसका सभी सेक्टरों पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। जीवन का कोई ऐसा पहलू नहीं है जिस पर नकारात्मक प्रभाव न पड़ा हो। वर्तमान समय में भू–आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। ऐसी स्थिति में अर्थव्यवस्था को संभालने का संयमित रूप से प्रयास करना होगा। लाकडाउन के कारण महानगरों से कामगारों का अंधाधुंध पलायन हुआ है जिसमें कुशल, अकुशल तथा अर्ध–कुशल श्रमिकों के समक्ष रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हुआ है। इन कामगारों के लिए स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के प्रयास किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। वर्तमान समय में आईटी सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं अब गांव में लोग स्मार्टफोन वह इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल लाइफ की तरफ बढे हैं। वर्तमान आर्थिक मंदी के बावजूद कृषि आधारित उद्योगों को लेकर गहनता से प्रयास करना होगा। चीन की कम्पनियों ने भारत के

कई स्टार्टप इकाईयों में निवेश किया है जो हमारे लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। विदेशी पूंजी निवेश को ऐसे नियंत्रित किया जाए जिससे हमारे सामरिक हितों की समस्या ना हो। चीन की सोच महाशक्ति बनने की है जो उसे व्यापक पूंजी निवेश की तरफ ले जा रही है। आने वाले समय में पूंजी निवेश व सामरिक दृष्टि से चुनौतियों के रूप में पाकिस्तान, श्रीलंका, बांगलादेश, म्यांमर आदि देशों में हो रहे चीन के निवेश के कारण चुनौती बने हुए है। जिससे सतर्क रहने की जरूरत है। आने वाला समय भारत को दुनिया में एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने का अवसर उपलब्ध कर करा सकता है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में उन्होंने सर्वप्रथम युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्राध्यापक डॉ. शशिप्रभा सिंह, डॉ. सरोज शाही, डॉ. राजशरण शाही, श्री पवन कुमार पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी सहित अन्य सभी प्राध्यापक, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं समाज के प्रबुद्ध जन फेसबुक के माध्यम से जुड़े।

दिनांक 11 मई को अपराह्न 1 बजे 'कोविड–19 एवं भारतीय समाजरू चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाज शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मानवेन्द्र सिंह जी फेसबुक लाइव के माध्यम से अपना व्याख्यान देंगे जिसे महाविद्यालय के फेसबुक पेज पर देखा जा सकता है।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क